हाशिये के विषय को बनाया मुख्यधारा विमर्श

सत्यमेव जयते को छोटे से गॉव से लेकर देश विदेश में बसे लाखों लोगो ने देखा जिसमें से बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी प्रतिक्रियाओं और भावनाओं से मजदूर किसान शक्ति संगठन को अवगत कराया, इसने कई लोगों को अन्दर तक झकझोरा और उन्हें सोचने पर मजबूर किया, यहॉ तक कि जिस इलाके में हम बरसों से काम कर रहे है, और जहां के लोगों ने सूचना के अधिकार के लिये लम्बा संघर्ष किया तथा कभी भी प्रतिष्ठा नहीं खोजी, उन्हें पता था कि हमने बहुत महत्वपूर्ण काम किया है, लेकिन उन्हें सत्यमेव जसते देखकर अच्छा लगा कि उनके संघर्षों को इसमें मान्यता दी गई है। उन व्यक्तियों के विचार बदले है जो कभी भी सड़क पर उतर कर किसी भी संघर्ष मे हमारे साथ नहीं खड़े होते थे, उन्होंने भी कहना शुरू किया – 'ये वहीं लोग है, जो झोला लटकाकर गॉव – गॉव घूमते है, पदयात्राएं निकालते है, घर घर एक एक व्यक्ति जाकर मांग कर खाना खाते है, ये लोग भ्रष्टाचार के खिलाफ अलख जगा रहे है, उन्होने देश को सूचना का अधिकार दिया, ये समस्याओं व शिकायतों के निवारण के लिये कानून लाने की कोशिश कर रहे है''।

कई लोगो की सहज व त्वरित प्रतिक्रिया थी, अरे आमिर खान के साथ शंकरसिंह संगठन वाले, रोज ही बस में हमारे साथ चढ़ते है, अरे, ये तो वही है जो कठपुतली चलाकर नुक्कड़ो पर जन चेतना के गीत गाते है और बदलाव की बात करते है।

कई गॉवों में अब जब हमारी पदयात्रा टोलियां पहुंचती है तो वहॉ कोई ना कोई होता है जो कह उठता है – आप लोगों को तो हमने सत्यमेव जयते में देखा है, तब जाना आपके काम के महत्व के बारे में, लगे रहिये हम भी आपके साथ है।

देश ही नहीं बल्कि विदेश में बसे खास तौर पर खाड़ी देशों में कार्यरत हमारे इलाके के लोगों ने भी इस एपीसोड को देखा और अपनी प्रतिक्रिया से सोशल मीडिया के जरिये अवगत कराया, उनमें से कुछ का कहना था कि आमिर ने देश विदेश को भारत के सूचना के अधिकार आन्दोलन के वास्तविक संघर्ष व इतिहास से अवगत कराने का बेहद महत्वपूर्ण काम किया है। इतना ही नहीं बल्कि अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर ओपन गर्वनमेंट पार्टनरशिप (OGP) की स्टीयरिग कमेटी के लोगो ने इस पर आश्चर्य मिश्रित हर्ष व्यक्त किया कि

मुख्यधारा चैनल ने इस प्रकार के आन्दोलनात्मक कार्य को इतना सुन्दर सार्थक समर्थन दिया है । देश भर से संगठन के साथियों को कॉल्स आये, जिनमें लोगों ने पूछा कि क्या हम अपने अपने इलाके में भी ऐसा काम कर सकते है? कुछ लोगों ने मजदूर किसान शक्ति संगठन के क्षैत्र में आकर काम करने का भी उत्सुकता दर्शायी। उनमें से दिल को छू लेने वाला किस्सा यह रहा कि एक नौजवान फौजी जोकि सीमा क्षैत्र पर देश की सुरक्षा में तैनात है, उसने सत्यमेव जयते देखा और 10 दिन के लिये छुट्टी लेकर मजदूर किसान शक्ति संगठन के काम के इलाके में आकर रहा, उसे अब लगता है कि लड़ाई का मोर्चा सरहद पर है लेकिन देश की भीतर भी है, जहॉ भ्रष्टाचार से लड़ रहे लोग भी किसी सैनिक से कम भूमिका में नहीं है।

भूटान के भ्रष्टाचार निरोधक आयोग भी सत्यमेव जयते के इस एपीसोड को अपनी बेवसाइट पर डाला है, देश विदेश में बहुतेरे युवाओं ने इसे देखकर संकल्प किया है कि वे शिकायत निवारण कानून लाने की लड़ाई का हिस्सा बनेंगे। उन्हें लगता है कि यह सूचना के अधिकार के आगे की लड़ाई है। यह आर टी आई का पार्ट टू है। अब भी देश भर से कॉल्स आ रहे है, लोग पूछते है कि हम क्या कर सकते है ?

इससे यह पता चला कि टी.वी. चैनल का एक शो भी देश में बदलाव का वाहक बन सकता है, हम उम्मीद कर रहे है कि जो 40 लाख मिस्डकॉल आये, वे नई सरकार पर दबाव बनायेंगे कि राष्ट्रीय शिकायत निवारण का कानून जल्दी से जल्दी बने, ताकि लोगो की सुनवाई हो और उनकी शिकायतों पर कार्यवाही हो, तभी लोकतंत्र में जनता असली राजा बन सकेगी। आमिर खान और उनकी पूरी टीम निश्चय ही साधुवाद की पात्र है, जिसने भ्रष्टाचार की खिलाफत, पारदर्शिता, सूचना के अधिकार के संघर्ष तथा राष्ट्रीय शिकायत निवारण कानून की जरूरत जैसे हाशिये के विषय को देश के मुख्यधारा विमर्श की विषय वस्तु बनाने का अहम काम किया है।

– भॅवर मेघवंशी
(मजदूर किसान शक्ति संगठन की ओर से)